Group)	
	समूह ब (Group B) 1. विपणन के सिद्धांत (**Principles of Marketing**) 2. अंतराष्ट्रीय विपणन (**International marketing**)
	समूह स (Group C) 1. ई–वाणिज्य एवं विपणन (**E-Commerce & Marketing**) 2. वित्तीय बाजार और विनियोग प्रबंध (**Financial Market & Investment Management**)
	समूह ग (Group D) 1. मानव संसाधन प्रबंध एवं अद्यौगिक संबंध (**Human resource Management & Industrial Relation**) 2. संगठनात्मक सिद्धांत एवं व्यवहार (**Organisational Theory & Behaviour**)

नोट– 1. व्यवसायिक पाठ्यक्रम के दोनों प्रश्न–पत्रों को वैकल्पिक समूह, व्यवहारिक अर्थशास्त्र (**Applied Economics**) के स्थान पर लिया जा सकता है।

3. वैकल्पिक समूह अ,ब,स एवं ग (**A,B,C,D**) में से कोई भी एक समूह के दोनों प्रश्न पत्रों को लिया जायेगा।

(Dr. Paran mishra)

Dr. Rishiplata Choudhary

(Dr. J. K. YADAV)

1.6

Department of Higher Education, Govt. of M.P.

Syllabus for Graduate Classes

As recommended by Central Board of Studies and approved by the Governor of M.P.

उच्च शिक्षा विभाग, म0प्र0 शासन

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2019-20

इतिहास विषय में बी. ए. प्रथम वर्ष में दो, द्वितीय वर्ष में दो एवं तृतीय वर्ष में दो सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र होंगे, इसमें वस्तुनिष्ठ, लघु उत्तीरीय एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र 40 अंकों का होगा। साथ ही 10 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन होगा। (5 अंक त्रैमासिक एवं 05 अंक छःमाही) स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिये प्रति प्रश्न पत्र 50 अंकों का होगा।

Type of Question	No.of question	Marks/ अंक		Total Marks/ कुल अंक	
प्रश्न का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	Regular	Private	Regular	Private
Objective question वस्तुनिष्ठ प्रश्न	05	01	01	05	05
Short Answer question लघु उत्तरीय प्रश्न	05	2	03	10	15
Long Answer question दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	05	5	06	25	30
Total Marks कुल अंक				40	50

4.6.19

Department of Higher Education, Govt. of M.P,
Under Graduate Semester wise Syllabus
As recommended by Central Board of Studies and approved by the Governor of M.P.
उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये सेमेस्टर अनुसार पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

परियोजना कार्य

अंक 100

परियोजना कार्य VIth सेमेस्टर के प्रत्येक विद्यार्थी द्वारा किया जाना अनिवार्य है।

परियोजना कार्य विद्यार्थी को अपने चुने हुए विषयों में से किसी एक विषय पर लेना होगा। परियोजना कार्य का मूल्यांकन आंतरिक एवं बाह्य परीक्षकों द्वारा होगा। जिसमें 50 अंक आंतरिक मूल्यांकन एवं 50 अंक बाह्य मूल्यांकन हेतु होंगे। परियोजना लेखन स्वहस्तलेख में 10–15 पेज का होगा। परियोजना कार्य 60 मानव घण्टे अथवा 15 दिन के अन्दर पूर्ण करना होगा। परियोजना लेखन को रोज़गारोन्मुखी बनाने का लक्ष्य अभिलक्षित है। सुझाव स्वरूप परियोजना के कुछ बिन्दु निम्नानुसार है।

विषय

समीपस्थ ऐतिहासिक स्थल का अध्ययन/ अपने क्षेत्रीय इतिहास का महत्व / समीपस्थ संग्रहालय का सिंहावलोकन /अभिलेखागार/ ऐतिहासिक/प्रागैतिहासिक/धार्मिक स्थल का अध्ययन पर्यटन को प्रोत्साहित करने विषयक आदिवासी / जनजातीय संस्कृति, जीवन शैली एवं स्थानीय लोक कलाओं आदि का अध्ययन

Project Work : 100 Marks

The Project work is compulsory for every student of VIth semester

The student has to write Project Work on any one of the subjects offered by him.

The evaluation of the project work will be done by both internal and external examiners. Internal valuation will be of 50 marks external valuation will be of 50 marks.

The Project work should be hand written by the candidate in about 10-15 pages. Project work should be completed either within 60 human hours or in 15 days.

It is desired that the project should be career oriented, hence the tentative areas suggested are:

A study of nearest historical places. Importance of Regional History. Visit to Nearest Museums / Archives A study of Prehistoric. Historic, Religious places, related to tourism, Tribal culture - way of life (Ethnographical study) Local Folk Traditions / Art etc.

VIKRAM UNIVERSITY, UJJAIN
M.A. SYLLABUS (2012-2013) (Revised)
(As recommended by Board of Studies)
SUBJECT: HISTORY
SEMESTER: I & II

2015-16

COMPULSORY PAPER

PAPER I
Historiography, Concept, Methods and Tools

PAPER II
Twentieth century world

PAPER III
History of India (1757-1857 AD)

OPTIONAL PAPERS

PAPER IV
The student has to offer any one of the optional paper for I and II semester.

PAPER O-I: State in India
PAPER O-II: World History (18th & 19th century AD)

VIKRAM UNIVERSITY, UJJAIN
M.A. SYLLABUS (2013-2014) (Revised)
(As recommended by Board of Studies)
SUBJECT: HISTORY
SEMESTER: III & IV

2015-16

SPECIALIZATION COURSE

PAPER I

HISTORY OF INDIA 1858-1975 AD

OPTIONAL PAPERS

The student has to offer any three optional papers for MA (III & IV semester). Student cannot offer any paper in III & IV semester which he had already offered in MA (I & II semester) as a fourth optional paper.

Paper O-I: State in India

Paper O-II: Women in Indian History

Paper O-III: Historical Application in Tourism

Paper O-IV: World History (18th & 19th century AD)

Paper O-V: History of Architecture of India

Paper O-VI: History of Malwa

22/4/16

भाग नौ

शून्य कक्षाओं का आयोजन

उद्देश्य—विद्यार्थियों के लिये अभिप्रेरणाएँ–

9.1 नव प्रवेशित विद्यार्थियों की आधारभूत कमजोरियों को दूर करने के उद्देश्य से नियमित पढ़ाई आरंभ करने से पहले शून्य कक्षाओं का आयोजन किया जा सकता है। विद्यार्थियों में **भाषाई एवं गणनीय क्षमता** में अभिवृद्धि तथा **सामान्य ज्ञान** की सीमाओं से परिचित कराने के साथ ही उन्हें अभिप्रेरित करने के सकारात्मक प्रयास किये जाने चाहिए।

9.2 शून्य कक्षाओं के कार्यक्रम की अवधि अधिकतम एक सप्ताह की हो सकती है जिसमें प्रथम पाँच दिवस प्रतिदिन चार कक्षाओं के लिये निर्धारित रहें तथा अन्तिम दिन तीन घंटों का चार खंडों में विभाजित एक टेस्ट हो। **प्रत्येक कक्षा 55 मिनट की हो तथा दो कक्षाओं के बीच पाँच मिनट का अन्तराल हो ।**

9.3 शून्य कक्षाओं के लिये निम्न विषयों के निम्न पाठ्यक्रमों को *(स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार संशोधित करते हुए)* शामिल किया जा सकता है ।

1. गणित – प्रतिशत, अनुपात, औसत, ग्राफ बार, पाइ डायग्राम, टेबिल आदि
2. भाषा –
   क. हिन्दी लेखन में होने वाली की वर्तनी/स्पेलिंग की त्रुटियाँ, आवेदन और पत्र लेखन, प्रतिवेदन, समाचार लेखन

   ख. अंग्रेजी लेखन में होने वाली की वर्तनी/स्पेलिंग की त्रुटियाँ, आवेदन और पत्र लेखन, प्रतिवेदन, न्यूज रिपोर्टिंग
3. अभिप्रेरणा – आत्म विकास, सफलता के मंत्र, समय और तनाव प्रबंधन, सेमेस्टर पद्धति और रोजगार हेतु मार्गदर्शन

भाग दस

सेतु कक्षाओं का आयोजन

उद्देश्य – अन्तरविधात्मक उन्मुखीकरण–

10.1 विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु सेतु कक्षाओं (ब्रिज क्लास) का आयोजन तृतीय सेमेस्टर में किया जा सकता है । *इस का उद्देश्य विज्ञान के विद्यार्थियों को वाणिज्य और कला, वाणिज्य के विद्यार्थियों को विज्ञान और सामाजिक विज्ञान, कला के विद्यार्थियों के लिये विज्ञान और वाणिज्य की मूलभूत जीवनोपयोगी जानकारियों से परिचित कराना है ।*

10.2 सेतु कक्षाओं के कार्यक्रम की अवधि अधिकतम एक सप्ताह की हो सकती है जिसमें प्रथम पांच दिवस प्रतिदिन चार कक्षाओं के लिये निर्धारित रहें तथा अन्तिम दिन तीन घंटों का दो खंडों में विभाजित एक टेस्ट हो । **प्रत्येक कक्षा 55 मिनट की हो तथा दो कक्षाओं के बीच पांच मिनट का अन्तराल हो ।**

10.3 सेतु कक्षाओं के लिये निम्न विषयों में से किन्हीं दो विषयों के निम्न पाठ्यक्रमों को (स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार संशोधित करते हुए) सम्मिलित किया जा सकता है ।

1. विज्ञान– विद्युत प्रदाय, फ्यूज, संचार व्यवस्था, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रानिक घरेलू उपकरण, मोबाइल, टेलिफोन, कम्प्यूटर, इंटरनेट, ऑन लाइन आवेदन आदि की सामान्य जानकारी, मौसम, तूफान, भूकम्प, सूनामी की जानकारी, संभावित दुर्घटनाएं और बचने के उपाय,
रसायन–घर में काम आने वाले रसायन,
स्वच्छता एवं साफ–सफाई, दूषित जल और वायु से उत्पन्न होने वाली सामान्य बीमारियां, ऊर्जा एवं जल–संरक्षण
कुछ प्रसिद्ध वैज्ञानिकों के जीवन से जुड़े प्रेरक प्रसंग

2. वाणिज्य–बैंकिंग, ई–बैंकिंग, चेक, ड्रॉफ्ट आदि की सामान्य जानकारी,
शेयर बाजार, सेंसेक्स, निफ्टी आदि की जानकारी
कुछ प्रसिद्ध उद्यमियों के जीवन से जुड़े प्रेरक प्रसंग

3. सामाजिक विज्ञान–संविधान में प्रदत्त नागरिकों के मौलिक कर्त्तव्य और अधिकार, लोकतंत्र, चुनाव, विधानसभा सदस्य, सांसद, राज्यपाल, राष्ट्रपति के निर्वाचन, कर्त्तव्य और अधिकार, गैर सरकारी और सरकारी संगठन,
हिन्दी हमारी राजभाषा,
कुछ प्रसिद्ध समाज सुधारकों के जीवन से जुड़े प्रेरक प्रसंग

Department of Higher education, Govt. of M.P.
Semester wise Syllabus for Postgraduates
As recommended by Central board of Studies and
Approved by HE the Governor of M.P.
Session 2008-09

Syllabus prescribed in the subject of HISTORY
M.A. PART – I and II Examination
(Based on U.G.C.Model curriculum)

The examination for the degree of master of arts in HISTORY shall comprise of four semesters viz. M.A. part –I (First and Second Semesters) and M.A. Part II (third and fourth semesters)

Note - Every student of M.A. part – I has to offer four papers. Specialization course paper – I of either group A of BV or C and two compulsory papers i.e. paper I and II. In addition to this any one of optional papers all papers are of 100 marks each total marks are 400.

Every student of M.A. part – II has also to offer papers. Specialistion course paper – II of the same group (A or B or) which the student had offered in M.A. Part I. In addition to this any there of optional papers are of 100 Marks. Total Marks are 400.
Project work / Dierstation A student of M.A. Pervious / Final has to write a project work /desertation on any topic from the group offered by him for M.A. degree in about 80-100 pages typed. the project work / Desertation will be of 400 and the viva – voice exam will be of 50 marks in M.A. final. The work will be evalutated by an external examiner in both the courses. Hence the total marks for M.A. degree are 1250.

Compulsory papers for M.A. part – I Examination
(First and Second Semester)

Paper – I : Historiography Concept Methods and tools
Paper – II : Twentieth Century World

M.A. Part I Examination
Specialization course

Group A : Ancient India
Paper I : History of India upto c AD 650

Or
Group B : Medieval India
Paper B-I Polity and Economy of India c.A.D. 1200 – 1750

or
Group C: Modern India